P-1006

Total Pages : 3 Roll No. .....

MAJY-204

संहिता स्कन्ध

MA Jyotish (MAJY)

2nd Year Examination, 2023 (June)

Time : 2 Hours] **[Max. Marks : 70**

नोट : यह प्रश्नपत्र सत्तर (70) अंकों का है जो दो (02) खण्डों क तथा ख में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है। परीक्षार्थी अपने प्रश्नों के उत्तर दी गई उत्तर-पुस्तिका तक ही सीमित रखें। कोई अतिरिक्त (बी) उत्तर पुस्तिका जारी नहीं की जायेगी।

(खण्ड-क)

(दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न)

नोट : खण्ड 'क' में पाँच (05) दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए उन्नीस (19) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल दो (02) प्रश्नों के उत्तर देने हैं। (2×19=38)

1. वराहमिहिरोक्त दैवज्ञ लक्षण का प्रतिपादन कीजिए।

2. ग्रहचार से क्या तात्पर्य है? सूर्यादि समस्त ग्रहों का चार वर्णन कीजिए।

3. वृष्टिज्ञान के शास्त्रीय आधार का उल्लेख कीजिए।

4. दिव्य, भौम एवं अन्तरिक्ष उत्पात का विवेचन करें।

5. भूमि के विविध भेदों का विस्तृत वर्णन कीजिए।

(खण्ड-ख)

(लघु उत्तरों वाले प्रश्न)

नोट : खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरों वाले प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए आठ (08) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल चार (04) प्रश्नों के उत्तर देने हैं। (4×8=32)

1. भौम का वर्षफल लिखिए।

2. मकरन्दप्रकाश ग्रन्थानुसार मेघानयन स्पष्ट कीजिए।

3. वृष्टि के प्रकारों का उल्लेख करें।

4. भूकम्प का लक्षण लिखिए।

5. वैदिककालीन वास्तुशास्त्र के स्वरूप का वर्णन कीजिए।

6. वास्तुरुष के शरीर पर देव-विन्यास का प्रतिपादन कीजिए।

7. काकिणी विचार कैसे करते है? स्पष्ट कीजिए।

8. मुहूर्त क्या है? गृहप्रवेश निर्णय का लेखन करें।